

अति भोग से बढ़ता है तनाव : आचार्य महाप्रज्ञ

लाडनूं 27 सितम्बर।

अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य महाप्रज्ञ ने कहा कि आज आम आदमी तनाव से घिरा हुआ है इसके पीछे है अतिभोगवादी मनोवृत्ति, व्यक्ति जितना ज्यादा भोग करता है उतना ही तनाव बढ़ता जाता है।

उक्त विचार उन्होंने जैन विश्व भारती स्थित सुधर्मा सभा में धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

आचार्य प्रवर ने कहा कि बड़े शहरों में कोलाहल की अधिकता है। इस कोलाहल के कारण जो प्रदूषण होता है वह खतरनाक है। आचार्यश्री ने इन्द्रियों से परे जीने की प्रेरणा देते हुए कहा कि तनाव से छूटकारा पाने के लिए इन्द्रियों का संयम करना आवश्यक है। जब हम रसेन्द्रियों का संयम करेंगे तो बड़ी बीमारियों से बचा जा सकता है।

युवाचार्य महाश्रमण ने कहा कि समता का अभ्यास करने से चित्त की निर्मलता बढ़ती है जब साधक निर्विचार हो जाता है तब उसे सत्य का साक्षात्कार होता है। जो वर्तमान में जीना जानता है वह साधक होता है। युवाचार्यवर ने कहा कि जो राग-द्वेष मुक्त रहकर इन्द्रियों का उपयोग करता है वह प्रसन्नता को प्राप्त कर सकता है।

अन्तर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस पर आयोजित होगा अहिंसा प्रशिक्षण शिविर

लाडनूं 27 सितम्बर।

अहिंसा यात्रा के प्रणेता आचार्य महाप्रज्ञ के सान्निध्य में 2 अक्टूबर को अन्तर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस के उपलक्ष में अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन जैन विश्व भारती प्रांगण में किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि आचार्य श्री महाप्रज्ञ अनुशासना में सम्पूर्ण देश में 352 अहिंसा प्रशिक्षण केन्द्र का सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया जाता है इन केन्द्रों में अब तक लाखों लोग जुड़ चुके हैं।

तेरापंथ मीडिया द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार अन्तर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस पर आचार्य महाप्रज्ञ विश्व को अहिंसा के सूक्ष्म रहस्यों से परिचित करवायेंगे। इसके साथ ध्यान के प्रयोगों के साथ हृदय परिवर्तन का प्रशिक्षण दिया जायेगा।